अमर उजाला
छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं
बरेली | बुधवार, 10 नवंबर 2021 | कार्तिक शुक्ल षष्ठी • विक्रम संवत 2078
महानगर | वर्ष 53 | अंक 294 | पृष्ठ : 22 | मूल्य : सात रुपये | amarujala.com

PAGE NO. : 07 BOTTOM MIDDLE

रिद्धिमा पहले दिन किया गया नाटक 'मैं पापिन क्यों' का मंचन

थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष का आगाज

बरेली। बरेली रंगमंच के इतिहास में एसआरएमएस रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष की एक कड़ी और जुड़ गई है। छह दिन तक चलने वाले इस फेस्टिवल का मंगलवार को आगाज हो गया। इसमें दर्शक हर दिन एक बेहतरीन नाट्य प्रस्तुति का आनंद उठा सकेंगे।

फेस्टिवल का उद्घाटन रिद्धिमा ऑडीटोरियम में महापौर उमेश गौतम और वरिष्ठ रंगकर्मी जेसी पालीवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अतिथियों ने थिएटर फेस्ट पर पुस्तक 'इंद्रधनुष' का विमोचन किया। मेहमानों के साथ मंच पर मौजूद एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि रिद्धिमा का मंच शुरू से ही प्रतिभाओं को निखारने का काम कर रहा है। भविष्य में सिनेमा जगत के बड़े सितारों को भी यहां बुलाया जाएगा।

थिएटर फेस्टिवल में पहले दिन नाटक 'मैं पापिन क्यों' का मंचन किया गया।

उद्घाटन के बाद अश्वनी कुमार के लिखित नाटक 'मैं पापिन क्यों' का मंचन किया गया। अंबुज कुकरेती निर्देशित यह नाटक कैकेई के चरित्र पर आधारित है। इसमें दर्शाया गया है कि कैसे कैकेई रघुकुल की मर्यादा को बनाए रखने के लिए श्रीराम को 14 वर्ष के लिए वनवास के लिए भेजकर खुद को समाज की नजरों में पापिन बना लेती हैं। इसी तानेबाने के इर्द गिर्द घूमता नाटक अंत में यह संदेश देता है कि अगर कैकेई ऐसा न करतीं तो रामायण भी नहीं रची गई होती।

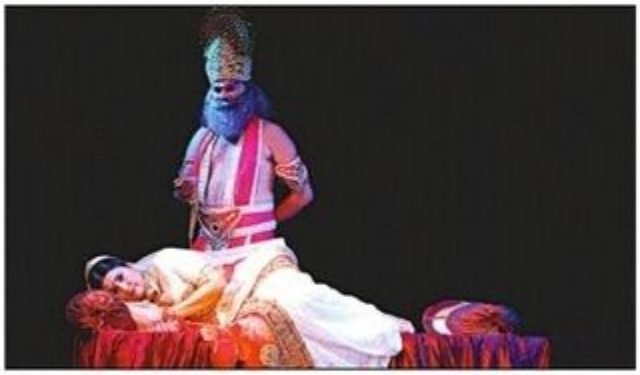

नाटक में अंशुमन ने राम, अजय चौहान ने दशरथ और डॉ. दीप शिखा जोशी ने कैकेई का किरदार निभाया। आयुष्मान, प्रफुल्ल, जितेंद्र जीत और प्रकाश ने भी अभिनय किया।

इस मौके पर आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, गुरु मेहरोत्रा, डॉ. राघवेंद्र शर्मा, डॉ. रजनी अग्रवाल, डॉ. आयुष गर्ग, डॉ. प्रभाकर गुप्ता आदि मौजूद रहे। संवाद